

## ईएलसीबी लगवाएं, सुरक्षित रहें

बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को सुरक्षित देखना चाहती है। बिजली के झटकों व दुर्घटनाओं से अपने प्रियजनों को बचाने के लिए, कृपया ईएलसीबी (अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर) लगवाएं।

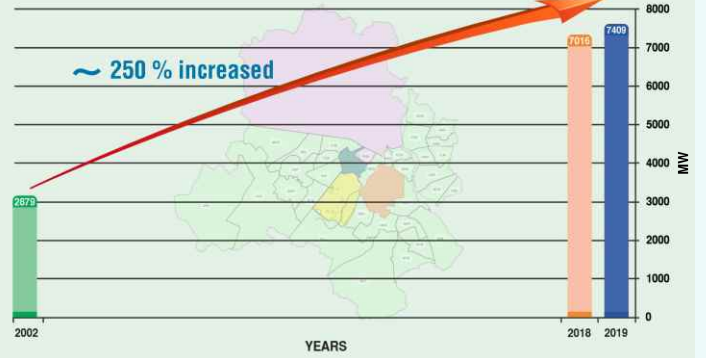


डीईआरसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार, बिजली कनेक्शनों के लिए ईएलसीबी आवश्यक है।

## दिल्ली में बिजली की पीक डिमांड मुंबई और चेन्नै दोनों की कंबाइंड डिमांड से भी ज्यादा

Powering Delhi's electricity needs. Empowering progress

Delhi's peak power demand over the years



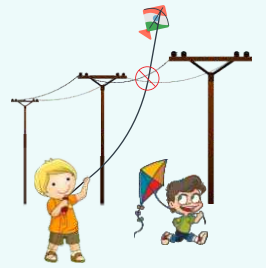
1 जुलाई को दिल्ली में बिजली की पीक डिमांड 7016 मेगावॉट के अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 7409 मेगावॉट पहुंच गई। गर्मियों में दिल्ली में बिजली की करीब 50 प्रतिशत मांग का कारण यहां का कूलिंग लोड यानी एसी, कूलर व फैन हैं।

### दिल्ली में बिजली की मांग

- 2002 (2879 मेगावॉट) के मुकाबले इसमें 250 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।
- यह मुंबई और चेन्नै के कंबाइंड पावर डिमांड से भी ज्यादा है।
- 2016 में पहली बार बिजली की मांग 6000 मेगावॉट पहुंची थी (6216 मेगावॉट, 1 जुलाई को)। जून 2019 में दिल्ली में बिजली की मांग ने 24 दिन 6000 मेगावॉट को क्रॉस किया।

## बिजली उपकरणों के पास पतंगबाजी ना करें, सुरक्षित रहें

भारत में स्वतंत्रता दिवस के जश्न का अभिन्न हिस्सा है, पतंगबाजी। लेकिन, कभी-कभार यह काफी खतरनाक साबित हो सकती है और यहां तक कि पतंग उड़ाने वाले की मौत भी सकती है। इसका कारण है कि पतंग उड़ाने के लिए जो मांझा इस्तेमाल किया जाता है, वह आमतौर पर मेटल कोटेड होता है, जो बिजली का वाहक है। यह न सिर्फ पतंग उड़ाने वाले व्यक्ति के लिए खतरनाक है, बल्कि इससे इलाके में बिजली की आपूर्ति भी प्रभावित होती है।



- मेटल कोटेड मांझे की वजह से ट्रिपिंग हो सकती है और बिजली का करंट भी लग सकता है
- अगर 33/66 केवी की एक ओवरहेड लाइन ट्रिप होती है, तो उससे 10 हजार निवासियों की बिजली आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। 11 केवी की एक लाइन ट्रिप होने से 2500 निवासियों की बिजली आपूर्ति प्रभावित हो सकती है।

## 7 दिन और 2 डॉक्यूमेंट्स बिजली कनेक्शन के लिए बस यही चाहिए

ईन ऑफ डुइंग बिजनेस को बीएसईएस सपोर्ट करती है।



### आवेदन करना आसान



[www.bsesdelhi.com](http://www.bsesdelhi.com) पर लॉगऑन करें या कॉल करें: 39999808 / 19122

## मोबाइल ऐप, टोल फ्री और हेल्पलाइन नंबरों जैसे सुविधाजनक माध्यमों से बिजली गुल की शिकायत दर्ज कराएं

### मोबाइल ऐप



हेल्पलाइन नंबर  
011-399 99 808

19122 (टॉल फ्री)

8745999808

एसएमएस: 5616108

बीवाईपीएल/बिजली से संबंधित सूचनाएं हासिल करने के इच्छुक आरडब्ल्यूएज, संबद्ध डिविजन के हमारे कस्टमर केयर ऑफिसर से संपर्क कर सकते हैं। सूचनाओं व अपडेट्स के लिए वे बीवाईपीएल के वॉट्स ऐप ग्रुप से भी जुड़ सकते हैं।

### फीडबैक

अपने फीडबैक व सुझाव भेजें: कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस, बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय: शक्ति किरण बिल्डिंग, कड़कड़डूमा, दिल्ली-110032, सीआईएन: CIN:U40109DL2001PLC111525 फोन: 11-399-97-111/399-99-273 ईमेल: [bypl.feedback@relianceada.com](mailto:bypl.feedback@relianceada.com), वेबसाइट: [www.bsesdelhi.com](http://www.bsesdelhi.com)